

पद्मसर 3. पद्म पुष्पों का समूह 4. रीतिकालीन हिन्दी साहित्य के एक अत्यन्त प्रसिद्ध कवि जो कि तैलंग ब्राह्मण थे। **पद्माक्ष**

पद्माक्ष पुं. (तत्.) 1. कमलगट्टा, कमल का बीज 2. विष्णु।

पद्माट पुं. (तत्.) चकवँड़, चक्रमर्द।

पद्माधीश पुं. (तत्.) विष्णु जी, लक्ष्मी के स्वामी, लक्ष्मी पति।

पद्मालय पुं. (तत्.) ब्रह्मा।

पद्मासन पुं. (तत्.) 1. योगसाधना का एक आसन जिसमें पालथी मारकर सीधे बैठते हैं 2. इस आसन की मुद्रा में बैठने वाला 3. कमल का आसन 4. कामशास्त्र के अनुसार स्त्री के साथ संभोग करने की एक मुद्रा या आसन 5. शिव 6. सूर्य 7. ब्रह्मा।

पद्मासन दंड पुं. (तत्.) एक प्रकार का डंड (शारीरिक व्यायाम) जो पालथी मारकर और घुटने जमीन पर टेक कर दिया जाता है। इससे श्वास सधती है तथा घुटने सशक्त बनते हैं।

पद्मासना पुं. (तत्.) 1. गेंदा 2. लवंग, लौंग।

पद्मिनी स्त्री. (तत्.) 1. कमलिनी, छोटा कमल 2. तालाब, जलाशय जिसमें कमल खिले हो 3. कोकशास्त्र के आधार पर किए गए नायिका के चार भेदों में से एक, जिसे सर्वोत्तम नायिका माना जाता है, नायिका कोमलांगी, सुशीला, रूपवती, पतिव्रता तथा पद्म गंधा होती है 4. चित्तौड़ की इतिहास प्रसिद्ध रानी 5. लक्ष्मी 6. हथिनी, मादा हाथी 7. कमल का पौधा 8. कमल पुष्पों का समूह 9. कमल की नाल।

पद्मी पुं. (तद्.) 1. पद्म युक्त देश, जहाँ कमल बहुत होते हैं 2. पद्मधारी विष्णु 3. पद्म समूह 4. बौद्धों के अनुसार एक लोक का नाम 5. इस लोक में रहने वाले एक बुद्ध, जिनका अवतार अभी होना है 6. वि. 1. जिसमें कमल होता हो 2. कमल से युक्त।

पद्मेशय पुं. (तत्.) पद्म पर होने वाले, विष्णु।

पद्मोद्भव पुं. (तत्.) ब्रह्मा।

पद्मोद्भवा पुं. (तत्.) मनसा देवी का एक नाम, वासुकि नाग की बहन।

पद्य पुं. (तत्.) 1. पद या पैर सम्बन्धी 2. जो काव्य के या पदों के रूप में हो 3. पुं. पिंगल के नियमों के अनुसार नियमित मात्रा या वर्ण का चार चरणों वाला छंद, काव्य, छंदो बद्ध साहित्यिक रचना 4. शूद्र, जिनकी उत्पत्ति ब्रह्मा के चरणों से मानी जाती है 5. शठता 6. सूखा कीचड़ 7. प्रशंसा, स्तुति।

पद्यकार पुं. (तत्.) पद्य की रचना करने वाला।

पद्यात्मक वि. (तत्.) जो पद्यमय हो, छंदबद्ध।

पद्र पुं. (तत्.) 1. गाँव 2. ग्रामपथ।

पद्रक पुं. (तत्.) पंचायती जमीन, ऐसी जमीन जो समस्त समाज या समुदाय की हो।

पद्व पुं. (तत्.) 1. राजमार्ग, सड़क, मार्ग 2. स्यंदन, रथ 3. मनुष्य जगत 4. पृथ्वी 5. ग्राम, गाँव 6. मर्त्यलोक।

पदवा पुं. (तद्.) राह, रास्ता, मार्ग।

पधरना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी प्रतिष्ठित अथवा सम्माननीय व्यक्ति का आगमन 2. पधारना।

पधराना स.क्रि. (देश.) 1. ससम्मान अतिथि को आसन प्रदान करना, आदरपूर्वक बैठाना 2. प्रतिष्ठित करना, स्थापित करना।

पधरावनी स्त्री. (देश.) 1. ससम्मान ले जाकर बैठाने की क्रिया, पधारने की क्रिया 2. किसी देवता की स्थापना।

पधारना अ.क्रि. (देश.) 1. जाना, चला जाना, गमन करना, चलना 2. आ पहुँचना, आना, पदार्पण करना 3. किसी आदरणीय व्यक्ति का आना 4. आदरपूर्वक बैठाना, प्रतिष्ठित करना।

पनंग पुं. (तद्.) सर्प, साँप।